

20/7/2021 पञ्जाब नी पेश हुई प्रार्थन एवं  
प्रार्थन अधिवेशन अत्र प्रार्थन  
अधिवेशन के बार बार एक एक कर  
आवाज डिलवाई गई फिर भी प्रार्थन  
व प्रार्थन अधिवेशन काई उपलक्षण  
नही लिखा प्रकृत अडक  
हाथी एवं अडक प्रकृत के  
स्वार्थन की गानी है। पञ्जाब नी  
देशन शुक्र होकर नकर के एक  
व उपनर स्वरिन है।

  
पञ्जाब नी पेश

